समाज कार्य स्नातक सामुदायिक नेतृत्व परीक्षा (2019-20)

उपाधि स्तर (DEGREE LEVEL)

सूक्ष्म वित्त एवं उद्यमिता विकास

(Micro-Finance and Entrepreneurship Development)

समय - **03** घण्टे पूर्णांक - **80** उत्तीर्णांक - **27**

नोट - किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है। सभी प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 300 शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक के हैं -

1. सूक्ष्म वित्त से आप क्या समझते हैं? भारत मे सूक्ष्म वित्त की दशा एवं दिशा का वर्णन कीजिए।
2. सूक्ष्म बैंक की अवधारणा को स्पष्ट करें। सूक्ष्म बैंक के लाभ बताइए।
3. उद्यमिता विकास क्या है? उद्यमिता विकास में बाधक तत्व कौन-कौन से हैं?
4. पूजी से आप क्या समझते हैं? किसी व्यवसाय के लिए स्थायी पूंजी एवं कार्यशील पूंजी के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
5. परियोजन क्या है? परियोजना प्रपत्र (प्रोजेक्ट प्रोफाइल) के प्रारूप के प्रमुख बिन्दुओं को स्पष्ट कीजिए।
6. उद्यमी की अवधारणा एवं विशेषतायें बताते हुए उद्यम शुरू करने में आने वाले जोखिम की विवेचना कीजिएं?
7. उपयुक्त उद्यम का चुनाव कैसे किया जा सकता है ? उद्यम प्रबन्धन को स्पष्ट कीजिए।
8. निजी क्षेत्र में सूक्ष्मवित्त की प्रमुख चुनौतीयों को बताइये तथा इसके निवारण में राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के कार्यों की विवेचना कीजिये |
9. उद्यमी एवं उद्यमिता का तात्पर्य बताइये | नव उद्यमियों द्वारा प्रायः कौन सी गलतियाँ की जातीहैं विवेचना कीजिये |
10. भारत में सूक्ष्म वित्त के लिए किए गए प्रयास, भारत में सूक्ष्म वित्त की प्रमुख चुनौतिया एवं भारत में सूक्ष्म वित्त के प्रमुख माडलों को बताइये |